V. CORE COURSE -C 4: (Credits: Theory-05, Tutorial-01)
कोर पाठ्यक्रम –C 4: (क्रेडिट: सैद्धान्तिक -05, अभ्यास -01)

Marks : 25 (MSE: 1Hr) + 75 (ESE: 3Hrs) =100 **Pass Marks: Th (MSE +ESE) = 40**

प्रश्न पत्र के लिए निर्देश

मध्य छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A'** में पाँच **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के **अनिवार्य** प्रश्न होंगे। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 5 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

छमाही परीक्षा :

*प्रश्नों के दो समूह होंगे। **खण्ड 'A' अनिवार्य है** जिसमें दो प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 1** में दस **अत्यंत लघु उत्तरीय** 1 अंक के प्रश्न होंगे। **प्रश्न संख्या 2 लघु उत्तरीय** 5 अंक का प्रश्न होगा। **खण्ड 'B'** में छः में से किन्हीं चार 15 अंको के **वर्णनात्मक प्रश्नों** के उत्तर देने होंगे।*

***नोट :** सैद्धान्तिक परीक्षा में पूछे गए प्रत्येक प्रश्न में उप–विभाजन हो सकते हैं।*

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल) : भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग

सैद्धान्तिक: 75 व्याख्यान , अभ्यास : 15 व्याख्यान

इकाई –1 आधुनिक काल की पीठिका, हिन्दी गद्य का विकास, भारतेन्दु का योगदान, 1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिन्दी नवजागरण।

इकाई –2 महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी उपन्यास और कहानी की परम्परा, हिन्दी एकांकी और नाटक की परंपरा, हिन्दी समीक्षा/आलोचना का उद्भव और विकास।

इाकाई –3 आधुनिक हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद का स्वरूप और विशेषताएं, और उसके बाद की हिन्दी कविता, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता।

निर्धारित पाठ्य पुस्तक–

- पथिक – : पं0 रामनरेश त्रिपाठी
- काव्य वीथि – सिंह : स0 डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंन्दन पाण्डेय, डॉ0 अरूण कुमार, डॉ0 मिथिलेश कुमार
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : सवैया और कवित।
- मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा।
- जयशंकर प्रसाद : भारत–महिमा,अरूण यह मधुमय देश हमारा, बीती विभावरी जाग री।
- निराला : भारती वंदना, मौन रही हार, तोड़ती पत्थर, हारता है मेरा मन।
- सुमित्रानंदन पंत : सुख–दुख, नौका विहार, ताज, हिमाद्रि।
- महादेवी वर्मा : विरह का जलजात जीवन, जो न प्रिय पहिचान पाती, सजल है कितना सवेरा।

अनुशंसित पुस्तकें :–

- आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह
- कविता के नए प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह
- छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह
- आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
- आधुनिक हिन्दी कविता : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- भारतेन्दु हरिशचन्द्र : डॉ0 रामविलास शर्मा
- समकालीन हिन्दी कविता : डॉ0 ए. अरविन्दाक्षन
- कवि की नई दुनिया : डॉ0 शंभुनाथ
- पथिक सौंदर्य और समीक्षा : डॉ जंग बहादुर पाण्डेय